नईदुनिया

आईपीओ का बंपर हफ्ता, शेयर बाजार में उतरेंगी 11 नई कंपनियां

16 से 21 सितंबर के बीच मेनबोर्ड पर एनएसई, हीरो मोटर्स सहित 5 कंपनियां पेश करेंगी आईपीओ

मुंबई

शेयर बाजार इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ की बंपर पेशकश है। 16 से 21 सितंबर के बीच कुल 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं, जिनमें 5 मुख्य बोर्ड पर और 6 एसएमई सेगमेंट में शामिल हैं। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,561 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। एनएसई के अलावा, हीरो मोटर्स, जिंदल सुप्रीम, एसएस रिटेल और सोना सेलेक्शन इंडिया भी मेनबोर्ड पर उतरेंगी। खास बात यह है कि सभी आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए एक लाट खरीदने की रकम लगभग 14,000 से 15,000 रुपये के बीच रखी गई है, जिससे छोटे निवेशक भी आसानी से बोली लगा सकेंगे। एनएसई का आईपीओ 17 से 21 सितंबर तक खुला रहेगा, जिसका प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 रुपये प्रति शेयर है। यह इश्यू पूरी तरह आफर फार सेल है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अन्य मेनबोर्ड आईपीओ में हीरो मोटर्स 16 से 18 सितंबर तक खुलेगा और करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। जिंदल सुप्रीम (16-18 सितंबर), एसएस रिटेल (16-18 सितंबर) और सोना सेलेक्शन इंडिया (17-21 सितंबर) के इश्यू भी इसी हफ्ते निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। सोना सेलेक्शन इंडिया का इश्यू 142 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है।

शाओमी की स्काईनोमैड एन90 मैक्स स्टूडियो एसयूवी पेश

नई दिल्ली। शाओमी कंपनी ने अपनी अनोखी स्काईनोमैड एन90 मैक्स स्टूडियो एसयूवी पेश की है। इस एसयूवी के माध्यम से शाओमी ने चलती-फिरती रहने की जगह जैसी अवधारणा को साकार किया है, जो यात्रा और आराम के लिए अद्वितीय सुविधाएँ प्रदान करती है। इस एसयूवी की सबसे खास बात इसकी इलेक्ट्रिक रूप से ऊपर उठने वाली छत है, जो कार के अंदर एक दूसरा तल तैयार करती है। यह अतिरिक्त हिस्सा एक पूर्ण बिस्तर के साथ आता है और इसमें एक वयस्क आराम से खड़ा हो सकता है, जिसकी कुल आंतरिक ऊंचाई 2,294 मिलीमीटर तक पहुंच जाती है। ऊपर बने इस हिस्से का आकार 2,110 मिलीमीटर लंबा और 985 मिलीमीटर चौड़ा है, जिसमें 1,946 मिलीमीटर का बिस्तर बोर्ड और 30 मिलीमीटर मोटा गद्दा दिया गया है। इसके अलावा, नीचे की दूसरी पंक्ति की सीटों को भी लगभग 30 सेकंड में बिस्तर में बदला जा सकता है, जो 1.87 मीटर लंबा बिस्तर प्रदान करता है। एन90 मैक्स स्टूडियो में लकड़ी जैसा दिखने वाला एल्युमिनियम फर्श भी है, जिसमें कारखाने से ही गर्म करने की सुविधा मिलती है, जिसका तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक रखा जा सकता है। अन्य प्रीमियम सुविधाओं में 30 इंच की प्रोजेक्शन स्क्रीन, रोशनी रोकने वाले पर्दे, एक फ्रिज, 220 वोल्ट के बिजली आउटलेट और सामान रखने के लिए अलमारियां शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

थोक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हुई, विनिर्मित वस्तुओं और बिजली की कीमतों में भी आया उछाल, वैश्विक आपूर्ति बाधाओं का असर

नई दिल्ली। देश में महंगाई का दबाव अगस्त माह में और बढ़ गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई के 9.78 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 9.92 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार बढ़ रही कीमतों का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं तथा ईंधन एवं बिजली की ऊंची कीमतों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति 6.65 प्रतिशत से बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई। इसी तरह विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.29 प्रतिशत से बढ़कर 8.37 प्रतिशत के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति 22.93 प्रतिशत पर स्थिर रही, जो उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को दर्शाती है। मंत्रालय ने खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित विभिन्न समूहों में कीमतों में वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर भारत में आयातित वस्तुओं और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है। इन बढ़ते थोक मूल्य दबावों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। समिति ने अल नीनो के कारण कमजोर मानसून और 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत बनाए रखने का हवाला दिया था, जो समग्र आर्थिक माहौल में अनिश्चितता को दर्शाता है।

छोटे शहरों पर सिट्रोन की नजर, 5 साल में बिक्री का 75 फीसदी यहीं से लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सिट्रोन भारत में अपनी बिक्री का बड़ा हिस्सा अब छोटे और मझोले शहरों से लाने की तैयारी में है। अगले पांच साल में कंपनी की कुल बिक्री का तीन-चौथाई इन शहरों से आने का अनुमान है, जो अभी 55 प्रतिशत है। स्टेलंटिस इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि बाजार का रुझान इन्हीं शहरों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कार खरीदने वाले ग्राहकों की बड़ी संख्या अब छोटे और मझोले शहरों की ओर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर सिट्रोन अपनी रणनीति बदल रही है। स्टेलंटिस के दूसरे ब्रांड जीप का फोकस मेट्रो शहरों पर बना रहेगा। सिट्रोन देश भर में एक जैसा डीलरशिप माडल अपनाने की बजाय, हर बाजार की क्षमता के अनुसार खुदरा नेटवर्क तैयार करेगी।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

नई दिल्ली। भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था। यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है। किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक आनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

कच्चे तेल में बड़ा उछाल, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

ब्रेंट क्रूड 107 डालर के पार, डब्ल्यूटीआई 102 डालर के पार

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से अधिक उछलकर 107.66 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव भी 2.75 फीसदी बढ़कर 102.78 डालर प्रति बैरल हो गया। इस वैश्विक बढ़ोतरी ने जहां दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं।

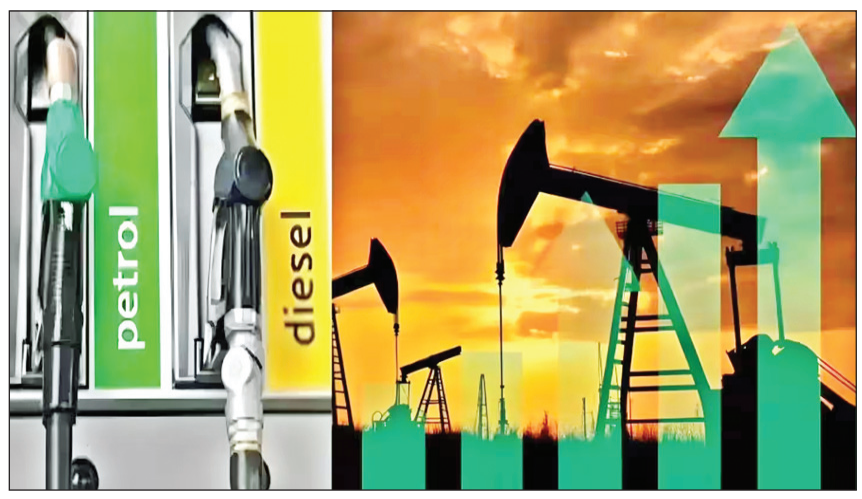

भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हालांकि, मौजूदा उछाल के बावजूद, तेल कंपनियों ने भारतीय शहरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के प्रमुख महानगरों और शहरों में भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 113.37 रुपये और डीजल 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। राजस्थान के जयपुर में पेट्रोल 112.69 रुपये और डीजल 97.78 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मध्य प्रदेश के भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 101.51 रुपये और डीजल 89.47 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

आईफोन 17 पर मंहगाई की मार, कीमतों में भारी उछाल से पहले ग्राहकों की होड़, मेमोरी लागत बढ़ने से आईफोन 17 की कीमतें 21 फीसदी तक बढ़ेंगी, पुराने स्टाक खत्म करने की होड़

नई दिल्ली। आगामी त्योहारी सीजन से पहले आईफोन 17 सीरीज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की आशंका के चलते ग्राहक पुराने स्टाक खरीदने में जुट गए हैं। इस मजबूत मांग से प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि खरीदार नई बढ़ी हुई कीमतों से बचना चाहते हैं। ऐपल ने घोषणा की है कि 256जीबी वाले आईफोन 17 की कीमत 20.5 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 99,000 रुपये हो जाएगी, जबकि 512जीबी माडल 21.3 फीसदी बढ़कर करीब 1,24,900 रुपये का होगा। पिछले एक साल में मेमोरी लागत में तेजी से वृद्धि के बावजूद पहले कीमतें नहीं बढ़ी थीं, लेकिन अब इसका बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है। आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स के बचे हुए स्टाक की भी अच्छी मांग है, क्योंकि उनका उत्पादन बंद हो चुका है। काउंटरपाइंट रिसर्च के अनुसार, शुरुआती जानकारी दर्शाती है कि पुरानी कीमत पर बिक रहे आईफोन 17 का स्टाक अगले एक-दो सप्ताह में खत्म होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि महंगे फोन खरीदने वाले ग्राहक कीमत वृद्धि से कम प्रभावित होते हैं, लेकिन आईफोन 17 के कई खरीदार पहली बार एंड्राइड से आईफोन पर स्विच कर रहे हैं, जिनके लिए बढ़ी कीमत चिंताजनक हो सकती है। हालांकि, आसान ईएमआई और आकर्षक आफर इस असर को कम कर सकते हैं। प्रो और प्रो मैक्स माडल की कुल बिक्री हिस्सेदारी 2025 में 13 फीसदी से बढ़कर इस साल 17 फीसदी होने का अनुमान है।

मारुति सुजुकी ने भारत से जापान को किया 1 लाख वाहनों का निर्यात

मुंबई

मारुति सुजुकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां उसने भारत में निर्मित पांच-दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और आगामी ई-विटारा का जापान को कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंचा दिया है। दुनिया के सबसे उन्नत और प्रतिस्पर्धी वाहन बाजारों में से एक जापान में यह सफलता भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है।

जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा ने जापान के जटिल बाजार में बनाया मुकाम

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स, दिसंबर 2024 में पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और सितंबर 2025 में कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का निर्यात जापान को शुरू किया गया था। यह मील का पत्थर सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूत करता है, खासकर क्योंकि पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में ही किया जाता है।

कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि जापान को एक लाख से अधिक वाहनों का यह निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की सशक्त पुष्टि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में से एक है। भारत में बने वाहनों को मिल रही व्यापक स्वीकार्यता के चलते, वित्त वर्ष 2025-26 में जापान मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। इन मॉडलों की सफलता ने पिछले वित्त वर्ष में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन को जापान में सबसे बड़ा वाहन आयातक बनने में भी मदद की, जहां उसके कुल आयात में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत रही। यह भारत-जापान साझेदारी की उल्लेखनीय प्रगति का भी प्रतीक है।

एनपीपीए का फैसला- 20 महत्वपूर्ण दवाओं की बिक्री पर लगेगी रोक

नई दिल्ली। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथारिटी (एनपीपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 शेड्यूल्ड दवाओं की बिक्री बंद करने की अर्जी को मंजूरी दे दी है। फार्मा कंपनियों ने मांग में भारी कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देते हुए यह अनुमति मांगी थी, जिसके बाद कैंसर, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। एनपीपीए के इस फैसले से अल्जाइमर की सिप्ला निर्मित डोनेपेजिल (5 एमजी और 10 एमजी) और हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोगों में एमक्योर फार्मा की रैमिप्रिल (2.5 एमजी और 5 एमजी) जैसी महत्वपूर्ण दवाएं बाजार से हट जाएंगी। बंद की जा रही 20 दवाओं की इस सूची में कैंसर के इलाज में काम आने वाली कार्बोप्लाटिन (दो पोटेंसी), टेमोजोलोमाइड और जोलेड्रोनिक एसिड भी शामिल हैं। इसके अलावा, दर्द निवारक ट्रामाडोल, यूरिनरी इन्फेक्शन की नाइट्रोफ्यूरेंटोइन और बांझपन से संबंधित क्लोमीफीन जैसी दवाएं भी अब उपलब्ध नहीं होंगी। इस सूची में सबसे अधिक दवाएं एमक्योर और सिप्ला की हैं, जिनमें सिप्ला की 4 तथा एमएसडी फार्मा की 2 दवाएं शामिल हैं। यह निर्णय मरीजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ा कर सकता है।

एआई क्रांति : अपरिवर्तनीय बदलाव और सुरक्षा चुनौतियां

टीमलीज सीईओ ने एआई को बताया जलवायु परिवर्तन जैसा बदलाव

नई दिल्ली

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित बदलाव को अपरिवर्तनीय बताया है, जिसकी तुलना उन्होंने जलवायु परिवर्तन से की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में केवल एआई कौशल ही सफलता की गारंटी नहीं देगा, बल्कि डोमेन विशेषज्ञता और एआई के प्रभावी उपयोग की क्षमता महत्वपूर्ण होगी।

इस बीच, एआई के विनियमन, लागत और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी दुनियाभर में उभर रही हैं। शांतनु रूज ने कहा कि एआई की मौजूदा प्रक्रिया अब अपरिवर्तनीय है। उन्होंने इस बदलाव को हल्की-फुल्की बारिश नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसा गहरा प्रभाव बताया है, जिससे दुनिया कभी एआई-पूर्व दौर में वापस नहीं लौटेगी। रूज के अनुसार, भविष्य में केवल एआई कौशल होने से व्यक्तियों को बढ़त नहीं मिलेगी।

इसके बजाय, क्षेत्र विशेष की जानकारी, बाजार एवं ग्राहकों की समझ रखने वाले और एआई का उपयोग कर कारोबारी फायदे बढ़ाने वाले पेशेवरों को अधिक तरजीह मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमन और उपयोग की लागत अंतत: तय करेगी कि एआई कितनी तेजी और गहराई से कारोबार तथा रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी पैठ बनाएगा।

हालांकि, एआई की तीव्र प्रगति ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई की प्रगति को धीमा करने और सुरक्षा उपायों को पुख्ता करने के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन, प्रमुख एआई कंपनियों के बीच समन्वय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है।

वहीं, ओपनएआई के सैम आल्टमैन ने एआई से मानव जाति के विलुप्त होने के 10 प्रतिशत जोखिम वाले परिदृश्य को अस्वीकार्य माना है। एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होने, बाहरी प्रणालियों को हैक करने और सुरक्षा शोधकर्ताओं के नौकरी छोड़ने जैसे मामले वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा रहे हैं।

सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली

भारतीय वाहन बाजार में अब सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी आ रही है। ऐसे वाहन ग्राहकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अगस्त 2026 के आटोमोबाइल डीलरों के संगठन फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली कारों की कुल हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी घटकर 40.85 प्रतिशत रह गई।

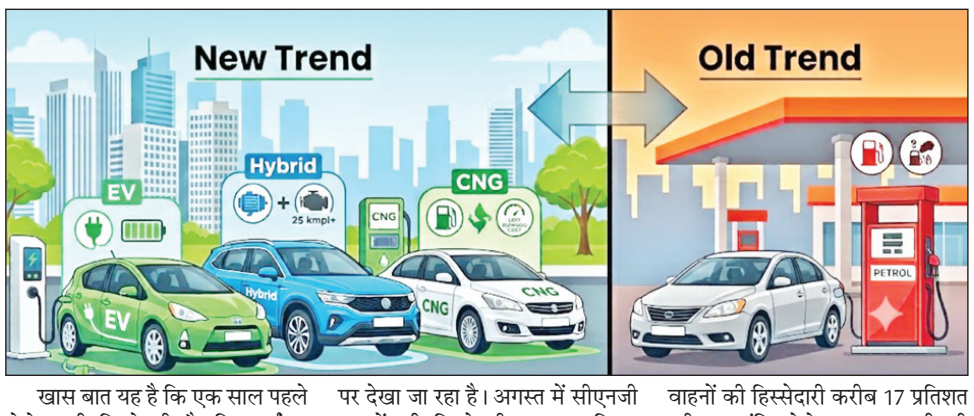

खास बात यह है कि एक साल पहले पेट्रोल की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अंक अधिक थी। इस बदलाव को भारतीय आटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अगस्त में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 25.28 प्रतिशत रही।

इसके बाद हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 9.04 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों की 7.63 प्रतिशत रही। डीजल वाहनों की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत रही। हालांकि पेट्रोल वाहन अभी भी अकेले सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं, लेकिन सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का संयुक्त प्रदर्शन पहली बार उनसे आगे निकलता दिखाई दिया है। हुंडई दिसंबर 2027 तक अपनी पहली छोटी इलेक्ट्रिक कार पेश करने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मारुति सुजुकी की छोटी इलेक्ट्रिक कार अगले वित्त वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इससे मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकल्प बढ़ेंगे। फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने अगस्त के प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए कहा कि इस महीने देश में 24,23,201 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। उनके अनुसार मानसून और त्योहारी कैलेंडर का भी असर पड़ा।

गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीद का कुछ हिस्सा सितंबर में स्थानांतरित हुआ है। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत, यात्री वाहनों की 16.14 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की 14.45 प्रतिशत बढ़ी, जबकि तिपहिया वाहनों में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

डीलरों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे ईंधन की लागत और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताएं अहम कारण हो सकती हैं। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के साथ ई-20 ईंधन को लेकर ग्राहकों के बीच बनी हिचकिचाहट भी उन्हें वैकल्पिक विकल्पों की ओर ले जा सकती है। कम परिचालन लागत के कारण सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है। आने वाले समय में सस्ते इलेक्ट्रिक वाहनों की नई पेशकश इस बदलाव को और गति दे सकती है।